MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE:20 AUG. 2026

जो देखा, सुना और जिया,वही लिखा, इसलिए लोगों को अपना लगता है गुल्लक

संजय लीला भंसाली के लिए फिल्म लिख रहे गुल्लक के लेखक दुर्गेश, धनुष होंगे नायक

एमसीयू: अभ्युदय-2026 में पूर्व विद्यार्थियों ने नवागत विद्यार्थियों से साझा किए अनुभव

● भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

दादी-नानी से सुने किस्से, घर-परिवार में देखी छोटी-छोटी घटनाएं और आसपास की जिंदगी में महसूस किए रिश्ते... यही वे चीजें हैं, जिनसे दुर्गेश सिंह अपनी कहानियों को जोड़ते हैं। मध्यमवर्गीय परिवारों के इसी जीवन से निकली गुल्लक की कहानियां लोगों को अपनी लगीं और अब उनका लेखन संजय लीला भंसाली की फिल्म तक पहुंच गया है। गुल्लक के लेखक दुर्गेश सिंह भंसाली के लिए एक फिल्म लिख रहे हैं, जिसमें धनुष मुख्य भूमिका में होंगे। इस फिल्म की कहानी भी अपनी जड़ों और मिट्टी से जुड़े रिश्ते पर आधारित है। दुर्गेश ने बताया कि गांव में पैदा हुए बच्चे की नाल जमीन में गाड़ दी जाती है। फिल्म का नायक गांव से निकलकर बाहर जाएगा और फिर उसी गांव लौटेगा, जहां उसकी नाल गाड़ी गई थी। दुर्गेश ने यह जानकारी माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय के नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम अभ्युदय-2026 के दूसरे दिन साझा की।

2005 में देखा सपना, अब भंसाली के साथ काम करने का मौका

दुर्गेश ने अपने विश्वविद्यालय के दिनों को याद करते हुए बताया कि 2005 में जब वे एमसीयू में पढ़ते थे, तब सपना था कि कभी संजय लीला भंसाली के लिए काम करने का मौका मिले। अब वही सपना सच होने जा रहा है। उन्होंने बताया कि फिल्म की कहानी गांव, अपनी जड़ों और मिट्टी से इंसान के रिश्ते के इर्द-गिर्द बुनी गई है। नायक का गांव से निकलना और फिर उसी जगह लौटना कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

हमें अपनी भाषा, जड़, जमीन और पृष्ठभूमि पर गर्व होना चाहिए

गुल्लक की लोकप्रियता का राज बताते हुए दुर्गेश ने कहा कि हम सब मध्यमवर्गीय परिवारों से आते हैं। दादी-नानी से सुनी कहानियां और आसपास का माहौल हमारे अनुभवों का हिस्सा रहे हैं। जो देखा, सुना और जिया, उसे कहानी से कनेक्ट करके गुल्लक में पिरोया। यही वजह है कि आम लोग इसके पात्रों और परिस्थितियों में खुद को महसूस करते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी भाषा, जड़, जमीन और पृष्ठभूमि पर गर्व होना चाहिए। आज उन्हें जो भी काम मिल रहा है, उसके पीछे उनकी भाषा और जमीन की बड़ी भूमिका है।

लेखन में भी किया जा सकता है एआई का इस्तेमाल

दुर्गेश ने कहा कि हमारी धार्मिक कहानियों पर खूब सिनेमा बन रहा है। दादी-नानी ने जो कहानियां सुनाई हैं, वे हमारे लिए बहुत महत्व रखती हैं। एआई को लेकर उन्होंने कहा कि यह किसी को प्रतिस्थापित करने नहीं आ रहा, बल्कि एक उपकरण है। विद्यार्थियों को इसका सही उपयोग करना सीखना चाहिए। लेखन में भी एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है।

अभ्युदय-2026 में पूर्व विद्यार्थियों ने दिए करियर के सूत्र

कार्यक्रम में बुधवार को देश-विदेश में कार्यरत पूर्व विद्यार्थियों ने नवागत विद्यार्थियों से संवाद किया। रवि मिश्रा ने पत्रकारिता में मूल्यों, प्रसून मिश्रा ने विषय की गहरी समझ और स्किल्स, जबकि पंकज झा ने पढ़ने के महत्व पर जोर दिया। मीनाक्षी शर्मा, अजीत कुमार, सुशील अग्रवाल, शिखा शर्मा, अपर्णा झा, आनंद पांडेय, दीपक पगारे और सुमित पांडेय सहित अन्य पूर्व विद्यार्थियों ने भी अनुभव साझा किए। इस दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को प्रावीण्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'RAJ EXPRESS '20 AUG.2026

यूनिवर्सिटी में टॉप कर बैरसिया की शिविका ने जीता गोल्ड मेडल, मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

पीपुल्स संवाददाता ● बैरसिया
मो.नं. 9300628151

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में मंगलवार को आयोजित अभ्युदय-2026 सहभागिता कार्यक्रम में बैरसिया की बेटी शिविका गुप्ता ने अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। विवि में टॉप करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शिविका गुप्ता को गोल्ड मेडल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में लेखक पीयूष मिश्रा भी मौजूद रहे। गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में नवागत

यूनिवर्सिटी में टॉप करने पर शिविका गुप्ता को गोल्ड मेडल और प्रशस्ति-पत्र देते मुख्यमंत्री डॉ. यादव।

विद्यार्थियों के प्रबोधन के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता केवल खबर लिखने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने और लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी भी है। विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा और ज्ञान का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी तकनीक के साथ भारतीय संस्कार, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों से भी जुड़ी रहे, यही समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों की इंटर्नशिप के आधार पर तैयार विशेषांक 'दो सदी साक्षी' तथा 'विकल्प' और भारत की अर्थव्यवस्था पर आधारित जर्नल का विमोचन भी किया। इसके बाद विवि के मेधावी विद्यार्थियों को पदक और प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। बैरसिया निवासी भगवानदास गुप्ता की पुत्री शिविका गुप्ता को विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर टॉप करने पर गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री के हाथों सम्मान मिलने से शिविका के परिवार और बैरसिया क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PEOPALS SAMACHAR '20 AUG.2026

अभ्युदय में स्टूडेंट के साथ संवाद

अपनी भाषा और जड़ों पर गर्व करें, एमसीयू में बोले- गुल्लक फेम दुर्गेश

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. अपनी भाषा और जड़ों पर हमें गर्व करें। ये हमारी नब्ज है। सफलता यही से होकर गुजरती है। यह बात बहु चर्चित वेबसीरीज गुल्लक फेम दुर्गेश ने छात्रों से संवाद के दौरान कही। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि में बुधवार को अभ्युदय कार्यक्रम में उन्होंने हिस्सा लिया। यहां मीडिया, फिल्म जगत, डिजिटल से जुड़े देश विदेश के लोगों ने हिस्सा लिया है। दुर्गेश ने बताया जड़ों से जुड़े रहना ही मेरी सफलता का कारण है। एआई पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह लेखकों या पत्रकारों को रिप्लेस नहीं करेगा, ये एक टूल है। जिसका सही इस्तेमाल सीखे। डिजिटल मीडिया विशेषज्ञ प्रसून मिश्रा ने कहा विषय की समझ राइटिंग, एडिटिंग व कैमरा स्किल पर जोर दिया जाए। टीवी एंकर रवि मिश्रा ने पत्रकारिता में संसाधनों से ज्यादा मूल्यों और स्वास्थ्य पर ध्यान देने की सलाह दी। राजनीतिक विश्लेषक पंकज झा ने पढ़ने की आदत को अनिवार्य बताया। वरिष्ठ पत्रकार आनंद पांडेय ने विश्वसनीयता को ब्रांड बनाने का मंत्र दिया। यहा 1991 के पहले बैच के संजय सलिल, अमेरिका से तारिका, प्राग से नीति सुधा और दुबई से विनोद नागर सहित कई पूर्व छात्र ऑनलाइन जुड़े।

मेधावी छात्र हुए सम्मानित

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में वर्ष 2026 में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'PATRIKA '20 AUG.2026

'अपनी भाषा और पृष्ठभूमि पर गर्व करें'

- एमसीयू के 'अभ्युदय 2026' में पूर्व छात्रों ने दिए सफलता के मंत्र
- तकनीक, डिजिटल मीडिया और करियर से जुड़े अनुभव साझा

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय' के दूसरे दिन देशभर से जुड़े पूर्व विद्यार्थियों ने छात्रों से संवाद किया। उन्होंने पत्रकारिता, सिनेमा, डिजिटल मीडिया, तकनीक और करियर से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। वेबसीरीज 'गुल्लक' के लेखक और सिनेमा से जुड़े दुर्गेश सिंह ने विद्यार्थियों से अपनी भाषा, जड़ों और पृष्ठभूमि पर गर्व करने की बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी सफलता में उनकी भाषा और जमीन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने एआइ को लेकर कहा कि यह लोगों को हटाने नहीं, बल्कि काम को आसान बनाने वाला टूल है। विद्यार्थियों को इसका सही उपयोग सीखना चाहिए।

टीवी पत्रकार और एंकर रवि मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता में संसाधनों से ज्यादा मूल्यों की जरूरत होती है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान सीखने, गलतियां करने और उनसे सीखने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य को भी पत्रकार के लिए महत्वपूर्ण बताया। डिजिटल पत्रकार प्रसून मिश्रा ने छात्रों को फील्ड की जरूरत समझने, अपने पसंदीदा क्षेत्र की पहचान करने और लिखने, बोलने, कैमरा संचालन व वीडियो एडिटिंग जैसी स्किल सीखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लगातार अभ्यास से ही इन कौशलों में सुधार आता है। राजनीतिक संचार से जुड़े पंकज झा ने विद्यार्थियों को ज्यादा से ज्यादा पढ़ने की सलाह दी। वहीं तकनीक, विज्ञापन और मीडिया क्षेत्र से जुड़े अन्य पूर्व विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने एआई का सही इस्तेमाल, कम्युनिकेशन स्किल, आर्थेटिसिटी और ईमानदारी को करियर के लिए जरूरी बताया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के पहले बैच के विद्यार्थियों ने भी आनलाइन जुड़कर अनुभव साझा किए। वरिष्ठ पत्रकारों ने कहा कि विश्वविद्यालय में मिलने वाला व्यावहारिक ज्ञान और लगातार सीखने की आदत विद्यार्थियों को बेहतर पत्रकार बनाने में मदद करेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व विद्यार्थी। • सौजन्य : आयोजक

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'NAVDUNIYA '20 AUG.2026

माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय 'अभ्युदय-2026' : दूसरा दिन

पत्रकारिता में संसाधन से ज्यादा 'मूल्य'

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में नए विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय-2026' में दूसरे दिन देश भर से आये पूर्व विद्यार्थियों ने नवागत विद्यार्थियों को संबोधित किया। कुछ पूर्व विद्यार्थी दूसरे शहर तथा विदेशों से ऑनलाइन जुड़े। इनमें प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल के अलावा अन्य क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुके विद्यार्थी शामिल रहे। सिनेमा के क्षेत्र में कार्यरत और वेबसीरीज 'गुल्लक' के लेखक दुर्गेश सिंह ने कहा कि हमें अपनी भाषा, अपनी जड़, अपनी जमीन और पृष्ठभूमि पर गर्व करना चाहिए। आज मुझे जो भी काम मिल रहा है, उसके पीछे मेरी भाषा, जमीन और पृष्ठभूमि है। उन्होंने कहा कि एआई एक साधन है, इसका उपयोग करते आना चाहिए। दुनिया में इनका उपयोग किया जा रहा है। लेखन में भी एआई का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारी धार्मिक कहानियों पर खूब सिनेमा बन रहा है। हमारे दादी-नानी ने जो कहानियां सुनायीं हैं, वे हमारे लिए बहुत महत्व की हैं। टीवी पत्रकारिता में सक्रिय एवं एंकर रवि मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता में संसाधनों का स्थान तो है लेकिन मूल्यों का महत्व अधिक है। जब हम यहां से पढ़कर निकलें तो कुछ मूल्य लेकर निकलें। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान नौकरी की चिंता मत कीजिए। इस दौरान केवल पढ़िए, सीखिए, गलतियां कीजिये और उनसे सीखिए। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि पत्रकारिता में आपका सबसे बड़ा साथी है, आपका स्वास्थ्य। अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। तकनीक प्रबंधन के क्षेत्र में कार्यरत पूर्व विद्यार्थी अजीत कुमार ने कहा कि यहाँ से सीखकर आगे बढ़ और सतत नया सीखते रहें। डिजिटल पत्रकारिता में सक्रिय प्रसून मिश्रा ने विद्यार्थियों से कहा कि आप पढ़ाई के दौरान तीन काम अवश्य करें इसमें पहला फील्ड की जो जरूरत है, उसकी समझ विकसित करना। इसके साथ ही यह भी तय कर लें कि दो साल के बाद में करना क्या चाहते हैं। जिस विषय को आप पढ़ रहे हैं, उसकी गहरी समझ विकसित करें। कौशल विकसित करें। जैसे- लिखना, बोलना, कैमेरा संचालन, वीडियो संपादन, लेआउट डिजाइन सीखें। स्किल्स को अच्छा करने के लिए रियाज करें। बिजनेस पत्रकारिता में सक्रिय मीनाक्षी शर्मा ने कहा कि 22 साल बाद विश्वविद्यालय में लौटकर नए विद्यार्थियों से संवाद कर रही हूं तो अपने पुराने दिन याद आ रहे हैं। हमारे शिक्षकों ने केवल पाठ्यक्रम पूरा कराने पर ही जोर नहीं दिया अपितु उन्होंने जीवन भी सिखाया और करियर गढ़ने में भी दिशा दी। राजनीतिक संचार के क्षेत्र में सक्रिय पंकज झा ने कहा कि कुछ लिखना है, पढना है और आगे बढना है तो यह विश्वविद्यालय आपके लिए सबसे उपयुक्त जगह है। पहले बैच (1991) के विद्यार्थी संजय सलिल ने ऑनलाइन जुडक़र विश्वविद्यालय की यात्रा पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अत्यंत सीमित संसाधनों से शुरू हुआ यह विश्वविद्यालय आज अपने विशाल परिसर में पहुंच गया है। नवागत विद्यार्थियों से उन्होंने कहा कि कभी रुकियेगा नहीं, चलते रहेंगे तो लक्ष्य तक अवश्य पहुंच जाएंगे। पूर्व विद्यार्थी नीति सुधा ने प्राग से ऑनलाइन जुडक़र नए विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने मनोरंजन पत्रकारिता के सूत्र विद्यार्थियों के साथ साझा किए। फिल्म मेकिंग और आलेख लेखन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाले नील रुद्रजीत मुखर्जी ने एआई को ठीक तरीके से उपयोग करने की सलाह दी।

विदेशों से ऑनलाइन जुड़े विद्यार्थी

1998-2000 बैच की विद्यार्थी तारिका ने अमेरिका से, 2002-2004 बैच के विद्यार्थी विनोद नागर ने दुबई से और 2011-2013 के बैच के छात्र सुमित रंजन ने प्राग से, 2013-2017 बैच के विद्यार्थी इजिप्ट से आशीष सिंह ने और मंतोष सिंह ने दुबई से ऑनलाइन जुडक़र संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 2026 में प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को प्रावीण्यता प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

विवि ने मेरी जिंदगी बदल दी

विज्ञापन के क्षेत्र में सक्रिय सुशील अग्रवाल ने कहा कि मैंने विश्वविद्यालय से समाचार पत्र प्रबंधन का डिप्लोमा कोर्स किया था। इस कोर्स ने मेरी जिंदगी बदल दी। मीडिया की समझ लेकर मैंने विज्ञापन के क्षेत्र में काम करना प्रारंभ किया। पहले एक समाचार पत्र के विज्ञापन विभाग में काम शुरू किया, उसके बाद अपनी स्वयं की विज्ञापन एजेंसी शुरू की। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आप में संघर्ष करने की क्षमता है और एक लक्ष्य लेकर चलते रहेंगे तो एक दिन सफलता जरूर मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारत में रोजगार के बहुत अवसर हैं। लोकलाइजेशन इंडस्ट्री में कार्यरत शिखा शर्मा ने कहा कि मैंने विश्वविद्यालय में जो कुछ सीखा उसके कारण मीडिया में आत्मविश्वास से काम कर सकी। उन्होंने विद्यार्थियों को लोकलाइजेशन इंडस्ट्री की जानकारी दी। बिजनेस पत्रकारिता में सक्रिय अपर्णा झा ने कहा कि पढ़ाई के दौरान अपने रुचि के क्षेत्र चिन्हित कीजिए। रुचि का काम करने का अवसर बने तो आनंद आता है। डिजिटल पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार आनंद पांडेय ने कहा कि व्यक्तिगत और संस्थागत स्तर पर ऑथेंटिसिटी और इंटेग्रिटी बनाकर रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि आप अपना ब्रांड बनाना चाहते हैं तो इन दोनों बातों को अपनाना होगा। हम जैसा बोलते हैं, वैसा ही हमें करना और दिखना चाहिए। श्रवण करें, मनन करें और निदिध्यासन करें। पहले बैच के विद्यार्थी और वरिष्ठ पत्रकार दीपक पगारे ने बताया कि इस विश्वविद्यालय की स्वीकार्यता और लोकप्रियता निरंतर बढ़ती गई है। विश्वविद्यालय में हमें जो व्यवहारिक और सैद्धांतिक ज्ञान मिला, उसने हमारा जीवन बनाया है। डिजिटल मीडिया में कार्यरत वरिष्ठ पत्रकार सुमित पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय में सीखने की प्रक्रिया ही आपको अच्छा पत्रकार बनाएगी। विश्वविद्यालय मे विभिन्न अवसरों पर कुमार विश्वास, पीयूष मिश्रा जैसे दिग्गज आते हैं, हमें उनकी यात्रा से सीखना चाहिए। उन्होंने सिंहस्थ कवरेज के अपने अनुभव सुनकर बताया कि इस तरह के ब? आयोजनों को किस तरह कवर किया जाता है। उन्होंने कहा कि एक अच्छा पत्रकार वह होता है, जो पाठकों को केंद्र मे रखकर समाचार बनाता है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH JYOTI '20 AUG.2026

बैरसिया की बेटी शिविका गुप्ता ने विश्वविद्यालय में किया टॉप

बैरसिया। क्षेत्र की बेटी शिविका गुप्ता ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। मंगलवार को आयोजित 'अभ्युदय-2026' सहभागिता कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्वविद्यालय में टॉप करने पर शिविका को गोल्ड मेडल और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। शिविका बैरसिया निवासी भगवानदास गुप्ता की बेटी हैं। मुख्यमंत्री के हाथों सम्मान मिलने पर परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारिता समाज को दिशा देने और लोकतंत्र को मजबूत करने की जिम्मेदारी है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'DANIK JAGRAN '20 AUG.2026

दैनिक भास्कर भोपाल 20-08-2026

अभ्युदय में पूर्व विद्यार्थियों ने दिए सफलता के मंत्र

भोपाल | माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम अभ्युदय-2026 के दूसरे दिन देशभर से आए पूर्व विद्यार्थियों ने अनुभव साझा किए। वेबसीरीज 'गुल्लक' के लेखक दुर्गेश सिंह ने कहा कि भाषा, जड़, जमीन और पृष्ठभूमि पर गर्व ही काम की पहचान बनता है। उन्होंने यह भी कहा कि एआई प्रतिस्थापन नहीं, उपयोगी टूल है और लेखन में इसका सहारा लिया जा सकता है। तकनीक प्रबंधन में कार्यरत अजीत कुमार ने सतत सीखते रहने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में 2026 में प्रथम आने वाले विद्यार्थियों को प्रावीण्यता प्रमाण पत्र भी दिए गए।

एआई काम आसान करने का तकनीकी पहलू है : दुर्गेश सिंह

■ 'अभ्युदय-2026' में पूर्व विद्यार्थियों ने कनिष्ठों को दिए सफलता के मंत्र

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के नवागत विद्यार्थियों के प्रबोधन कार्यक्रम 'अभ्युदय-2026' के दूसरे दिन देश-विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय पूर्व विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों से संवाद किया। वेबसीरीज गुल्लक के लेखक दुर्गेश सिंह ने कहा कि अपनी भाषा, जड़, जमीन और पृष्ठभूमि

पर गर्व होना चाहिए। आज उन्हें जो काम मिल रहा है, उसके पीछे उनकी भाषा और पृष्ठभूमि की बड़ी भूमिका है।

दुर्गेश सिंह ने कहा कि एआई किसी को रिप्लेस करने नहीं आ रहा, बल्कि यह काम आसान करने वाला टूल है।

लेखन सहित रचनात्मक क्षेत्रों में इसका बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने दादी-नानी से सुनी कहानियों को हमारी सांस्कृतिक विरासत बताते हुए कहा कि इन पर नए सिरे से काम करने की संभावनाएं हैं।

यहां टीवी पत्रकार एवं एंकर रवि मिश्रा ने कहा कि पत्रकारिता में संसाधनों की भूमिका है, लेकिन मूल्यों का महत्व अधिक है। विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान नौकरी की चिंता के बजाय सीखने, गलतियों से अनुभव लेने और कैंपस लाइफ का आनंद लेने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य को पत्रकारिता में सबसे बड़ा साथी बताया है।

NEWS CLIPPING SERVICE FROM 'MCNUJC LIBRARY
'SWADESH '20 AUG.2026